1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

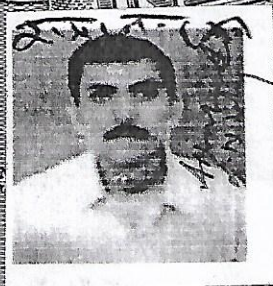

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

SALE DEED FOR Rs. 95,000/-ONLY

विक्रेता :– श्री नीलमणि झा पिता स्व0 रामेश्वर झा, जाति – ब्राह्मण, पेशा – व्यवसाय, साकिन – श्यामाचरण मिश्र लेन देवघर, थाना, सबडिविजन व सबरजिस्ट्री – देवघर, जिला – देवघर (झारखंड)। वजरिये आम मोख्तार श्री रामानन्द झा पिता श्री नीलमणि झा, साकिन – श्यामाचरण मिश्र लेन देवघर, जो दिनांक – 22 / 01 / 2005 ई0 में निबंधन कार्यालय देवघर से निबंधित एक कीता आम मोख्तार नामा दलील जिसकी सं0 – 25 वर्ष 2005 ई0 के द्वारा सक्षम हैं।

क्रेता :– श्रीमती कुमकुम सिंह पति श्री सुबोध कुमार सिंह, जाति – राजपूत, पेशा – गृहस्वामिनी, साकिन – औड़ा बगीचा, थाना – धरहरा, सबडिविजन, सबरजिस्ट्री व जिला – मुगेंर (बिहार)।

लेख्य प्रकार	:–	विक्रय पत्र।
सम्पत्ति की कीमत	:–	मो0 95,000 / – रूपये मात्र।
सम्पत्ति का विवरण	:–	निम्न तफसील सम्पत्ति में वर्णित हैं।

NOTARY
SANJAY KUMAR SINGH
Govt. of Jharkhand

10272 [illegible]

[illegible]

1000/-
500/-
100/-
3800/-

27/03/08

B. Prasad
S. V. Deoghar Court
L. No. 1/86

1262
18/05/08

रामानंद झा
निलमणि झा
श्यामाचरण मिश्रा लेन
ब्राह्मण व्यवसाय
देवघर
17/5/08
10मि.00

जिला अवर निबंधक
देवघर

रामानंद झा
17-5-08

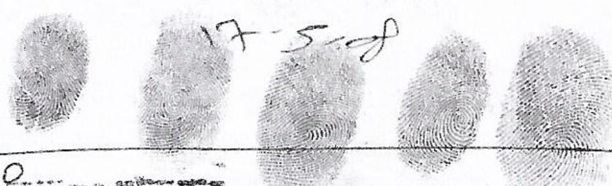

320/ 2008
रामानंद झा
[illegible] कुमार खरवार
[illegible] खरवार
[illegible], देवघर, [illegible]

रामानंद झा
17-5-08
321/2008

Sushil Kumar Kharwal
17.05.08

1000Rs.

विदित हो कि थाना नं0 – 415, जिला – संथाल प्रगना, वर्त्तमान जिला – देवघर सबडिविजन, सबरजिस्ट्री व थाना – देवघर, सामिल मौजा – नीलकंठपुर उर्फ नूरपुर के अन्दर मोरस्सी मोकररी सत्व की जमीन, दिनांक – 18/01/1924 ई0 में देवघर सबरजिस्ट्री ऑफिस से रजिस्ट्री सुदा एक कीता मोरस्सी पट्टा नं0 – 19, Registered in Book no- 1, Vol no- 2, pages 106 to 116, being no- 19 for the year 1924 के द्वारा मौजा – नीलकंठपुर उर्फ नूरपुर के अन्दर 18 बीघा 14 कटठा 19 धुर जमीन का सालाना खजाना मो0 18 रूपया 12 आना पर मौजा – नीलकंठपुर उर्फ नूरपुर की तत्कालिक लाखराजदार जमीन्दार, दातासाह महमद हलीम साहब से शेख गुलाम हसन वल्द शेख गुलाम महमद मोरस्सी बन्दोबस्त पाकर सालाना खजाना पहले लाखराज जमीन्दार को और लाखराजदार का कुल हक हकुक बिहार सरकार में भेस्ट कर जाने के बाद से बिहार सरकार को आदाय करते हुए निर्विवाद रूप से दखलंकार रहते हुए और लाखराजदार का कुल हक हकुक बिहार सरकार में भेस्ट

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

कर जाने के बाद उपरोक्त पट्टा के सट्टा पत्र मुताबिक लाखराजदार या उनके वारिसान से शेख गुलाम हसन का कोई सरोकार नही रहा और जायदाद मजकुर को इच्छा मुताबिक भोग, दखल, दान विक्रयादि हर तरह का हस्तांरण करने का शेख गुलाम हसन पूर्ण अधिकारी रहते हुए, दिनांक – 07/01/1969 ई0 में निबंधन कार्यालय देवघर से निबंधित एक कीता विक्रय पत्र जिसकी सं0 – 175 वर्ष 1969 के द्वारा मौजा – नीलकंठपुर उर्फ नूरपुर के अन्दर मोरस्सी मोकररी सत्व की जमीन (1) टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 28/ए रकवा साढे पॉच हाथ के लग्गा के माप से सात बीघा आठ कटठा धानी जमीन मय कुऑ जिसके उत्तर – टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 140 व 160/ए, दखिन – टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 28 व 139, पुरब – टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 28 व पश्चिम – सीमाना स्टेट लक्ष्मीपुर तथा (2) टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 163/ए रकवा साढे पॉच हाथ के लग्गा के माप से तीन बीघा पन्द्रह कटठा जिसके उत्तर – टाउन प्लॉन प्लॉट

500Rs.

नं0 – 140 व 148, दखिन – टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 28 व 28/ए, पुरब – टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 163 व पश्चिम – टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 28/ए, दोनो प्लॉट का मोट रकवा 11 बीघा 3 कटठा मय कुल हक हकुक अन्दर जमाबंदी नं0 – 386 सालाना खजाना मो0 11 रूपया 16 पैसा अन्दर हलका देवघर म्युनिसीपैलिटी वार्ड नं0 12 मय कुल हक हकुक मोहनतारा झा पति श्री मृत्युंजय झा साकिन – देवघर, के निवासनी के पास बिक्री कर देने पर उक्त खरीदगी सम्पत्ति पर दखल कब्जा लेकर चारो तरफ ईटा का प्राचिर मकान, कुऑ, वृक्षादि लगाकर व अंचल कार्यालय देवघर में अपने नाम से नामांतरण करवाकर वार्षिक मालगुजारी आदाय करते हुए निर्विवाद रूप से भोग दखल करते हुए दिनांक – 29/11/1982 ई0 में निबंधन कार्यालय देवघर से निबंधित एक कीता विक्रय पत्र जिसकी सं0 – 3436 वर्ष 1982 के द्वारा उक्त सम्पत्ति को अपने स्वउपार्जित धन से श्री नीलमणि झा पिता स्व0 रामेश्वर झा साकिन – श्यामाचरण मिश्र लेन देवघर, ने खरीद कर उक्त खरीदगी सम्पत्ति पर दखल कब्जा लेकर अंचल कार्यालय देवघर के नामांतरण वाद सं0 – 241/85–86 आदेश दिनांक – 15/01/1986 के अनुसार मैं विक्रेता नीलमणि झा के नाम से नामांतरण करवाकर जमाबंदी नं0 – 386/1 के बावत वार्षिक मालगुजारी आदाय करते हुए आजतक निर्विवाद रूप से भोगवान व दखलकार हैं।

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

झारखण्ड JHARKHAND

029875

अभी मुझ विक्रेता को दीगर सांसारिक खर्च के लिए रूपये की सख्त जरूरत है, इसलिए उक्त सम्पत्ति बिक्री करने का सोहरत किया।

1. सुशील कुमार खवाड़े, 2. श्री संजय झा व 3. श्री संजय कुमार सिंह उक्त सम्पत्ति को खरीद करने को तैयार हुए जिसकी कीमत तय होने पर उपर्युक्त विक्रेता श्री नीलमणि झा ने दिनांक – 29/12/2004 ई0 को श्री सुशील कुमार खवाड़े, श्री संजय झा व श्री संजय कुमार सिंह के पास एकरार नामा कर दिया।

आप क्रेता जो उक्त श्री सुशील कुमार खवाड़े, श्री संजय झा व श्री संजय सिंह के मनोनित व्यक्ति हैं, जो उक्त सम्पत्ति के अन्दर रकवा 1500 वर्गफीट जिसका पूर्ण विवरण निम्न तफसील में वर्णित हैं, को अभी के बाजार भाव की दर से अधिकतम कीमत पर खरीद करने की इच्छा जाहिर करने पर उभय पक्षों की मंजुरी से इसकी कीमत कुल 95,000/– रूपये कायम हुए।

अतएव आज तारीख मैं विक्रेता आप क्रेता से कीमत का कुल रूपया लेकर निम्न तफसील में वर्णित सम्पत्ति जो संलग्न नक्शा में लाल रंग से रंगा अंश में दिखाया गया हैं, मय कुल हक हकुक आप क्रेता के पास बिक्री कर दिया और आपके दखल कब्जे में दे दिया।

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

झारखण्ड JHARKHAND

029876

अब आप केता मुझ विकेता के सत्व व दखल से सत्ववती व दखलकारिणी होकर मय अपने पुत्र पौत्रादि वारिसान व स्थलाभिषिक्तगण कम से भोग, दखल, दान, बिकी, मोरगेज व नाना प्रकार के वारदेन व हस्तान्तरण आदि करने की अधिकारिणी होकर स्वेच्छा पूर्वक भोग दखल करते रहे इसमें मुझ विकेता मय वारिसान को किसी भी तरह की उज्र आपत्ति नही होगी न कोई कर सकेगा अगर कोई करे तो वह न्यायालय से निरस्त होगा।

निम्न विकीत सम्पत्ति का मैं विकेता ही एकमात्र मालिक हूँ, इसमें दुसरा कोई अंशदार या दखलकार नहीं हैं व इसके पहले निम्न सम्पत्ति को किसी के पास किसी तरह का दाय–संयुक्त या हस्तान्तरण आदि नही किया हूँ। यानि हर तरह से साफ व पाक है।

निम्न बिकीत सम्पत्ति के सम्बंध में अगर भविष्य में मुझ विकेता मय वारिसान को कुछ लिखना या करना पडेगा तो ऐसी स्थिति में आप केता मय वारिसान के अनुरोध व खर्च से वैसा लिखने व करने को तैयार रहुँगा।

अतएव आज तारीख मैं विकेता स्वेच्छा से मन व शरीर की स्वस्थता में रहकर बिना किसी के दवाब या बहकावे के कीमत का कुल रुपये लेकर यह विकय पत्र लिख दिया जो प्रमाण रहे।

दिनांक :– 17-5-08

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये Rs. 100

रु. 100 ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

झारखण्ड JHARKHAND 029877

<u>तफसील सम्पत्ति</u>

थाना नं0 – 415, जिला, सबडिविजन व सबरजिस्ट्री – देवघर, थाना – देवघर, सामिल मौजा – नीलकंठपुर उर्फ नूरपुर, के अन्दर मोरस्सी मोकररी सत्व की बसौड़ी जमीन, टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 163/ए का अंश, रकवा 1500 (एक हजार पाँच सौ) वर्गफीट अन्दर जमाबंदी नं0 – 386/1, अन्दर हल्का देवघर नगर पालिका वार्ड नं0 – 8, बमौजिव सामिल सुदा नक्शा में लाल रंग से रंगा हुआ सव प्लॉट नं0 – 38/ए, मय कुल हक हकुक बिकी किया, जिसकी चौहद्दी––

उत्तर	:–	विकेता की जमीन सव प्लॉट नं0 – 38 इधर की माप 50'–0"
दक्षिण	:–	कृष्णानन्द झा की खरीदगी जमीन सव प्लॉट नं0 – 39/ए इधर की माप 50'–0"
पुरब	:–	विकेता की जमीन सव प्लॉट नं0 – 38/बी व 40/ए इधर की माप 30'–0"
पश्चिम	:–	15'–0" चौड़ा प्रस्तावित रास्ता इधर की माप 30'–0"

घोषणा :– उक्त विकीत सम्पत्ति पक्की सड़क से 131 फीट से अधिक की दूरी पर स्थित हैं तथा शिवगंगा के उत्तर तरफ स्थित है। निर्धारित मूल्यांकन के अनुसार स्टाम्प दिया गया हैं।

अंचलाधिकारी देवघर के पत्रांक सं0 – 517 दिनांक – 17-3-08 ई0 के द्वारा भू सत्यापित है।

गवाहन :–

Sanjay Jha
Bilasi town
17/5/08

2.

3. संजय कुमार सिंह
अधिवक्ता
देवघर कोर्ट 17/5/08

SPECIMEN FORM FOR FIVE LEFT HAND FINGER PRINTS

Kumkum Singh

LITTLE FINGER	RING FINGER	MIDDLE FINGER	FORE FINGER	THUMB

Kumkum Singh
17-5-08

PHOTO	LITTLE FINGER	RING FINGER	MIDDLE FINGER	FORE FINGER	THUMB

प्रमाणित किया जाता हैं कि प्रत्येक व्यक्ति जिनका इस दस्तावेज में फोटो चिपकाया गया हैं, के बाये हाथ के अँगुलियो का निशान मेंरे समक्ष लिया गया हैं। मुल प्रति व द्वितीयक हु–बहु हैं।

PLAN OF LAND UNDER MOUZA - NILKANTHPUR @ NOORPUR, NO - 415, WITHIN DEOGHAR MUNICIPAL WARD NO - 8, UNDER, J. B. NO - 386/1, T. P. PLOT NO - 163 A, SUB PLOT NO - 38/A, AREA - 1500 Sqft., SHOWN IN RED COLOUR BELONG'S TO SRI NILMANI JHA, AND NOW SOLD TO Smt. KUMKUM SINGH W/O SRI SUBODH KUMAR SINGH [redacted], OF AURA BAGICHA, P. S. - DHARHARA, DIST - MUNGER.